



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 14 अगस्त, 2026

जारी करने का समय: 1320 घंटे

विषय: (i) झारखंड और उससे सटे गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल के ऊपर बने अवदाब के असर से, 14 अगस्त 2026 को ओडिशा और झारखंड में, तथा 14 और 15 अगस्त 2026 को पूर्वी मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

(ii) इस हफ्ते के ज्यादातर दिनों में पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में कुछ जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है।

आज, 14 अगस्त, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में हुआ मौसम:

- ❖ छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, पूर्वी उत्तर प्रदेश, ओडिशा, झारखंड और बिहार में बहुत भारी बारिश (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ पूर्वी राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, गुजरात क्षेत्र, उत्तराखंड, कोंकण, मध्य महाराष्ट्र, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और सिक्किम, असम और पूर्वी मध्य प्रदेश में भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध I और II):

- ❖ औसत समुद्र तल पर मॉनसून ट्रफ़ का पश्चिमी सिरा अपनी सामान्य स्थिति के उत्तर में है और पूर्वी सिरा अपनी सामान्य स्थिति के दक्षिण में है।
- ❖ कल तटीय पश्चिम बंगाल के ऊपर बना अवदाब आज, 14 अगस्त 2026 को सुबह 08:30 बजे (IST) झारखंड और उससे सटे गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल के ऊपर केंद्रित था। इसके झारखंड और उत्तरी छत्तीसगढ़ से होते हुए पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और अगले 12 घंटों में एक सुस्पष्ट दबाव क्षेत्र में कमजोर पड़ने की बहुत संभावना है।
- ❖ शियर ज़ोन लगभग 23°N अक्षांश के साथ मध्य और उससे सटे उत्तरी प्रायद्वीपीय भारत में निचले और ऊपरी ट्रोपोस्फेरिक स्तर के बीच फैला है, जो ऊंचाई के साथ दक्षिण की ओर झुकता है।
- ❖ मध्य और ऊपरी ट्रोपोस्फेरिक पछुआ हवाओं में एक ट्रफ़ के रूप में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस जिसकी धुरी मध्य ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर है, लगभग 70°E देशांतर के साथ 30°N अक्षांश के उत्तर में स्थित है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर उत्तर-पश्चिम उत्तर प्रदेश और आसपास के इलाकों में ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ❖ निचले और मध्य ट्रोपोस्फेरिक स्तर के बीच, पाकिस्तान से सटे दक्षिण-पश्चिम राजस्थान के ऊपर ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर उत्तर-पश्चिम राजस्थान से गुजरात होते हुए उत्तर-पूर्व अरब सागर तक एक उत्तर-दक्षिण ट्रफ़ फैली हुई है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 14 से 20 अगस्त के दौरान हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फराबाद और उत्तराखंड में काफी बड़े इलाके से लेकर पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 14-15 अगस्त के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली और पंजाब में; 14-16 अगस्त के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 14 अगस्त और 16-20 अगस्त के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में काफी बड़े इलाके से लेकर पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत के बाकी हिस्सों में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 14-20 अगस्त के दौरान उत्तराखंड में और 14 अगस्त को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 14-16 अगस्त और 18-19 अगस्त के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फराबाद में; 15-16 अगस्त और 19-20 अगस्त के दौरान हिमाचल प्रदेश में; 18-20 अगस्त के दौरान उत्तराखंड में; 14-15 अगस्त और 17-18 अगस्त के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली और पंजाब में; 15 अगस्त और 18 अगस्त को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 15 अगस्त और 18-19 अगस्त के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 17 अगस्त को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फराबाद में; 14 अगस्त और 17-18 अगस्त को हिमाचल प्रदेश में; 14-17 अगस्त के दौरान उत्तराखंड में; 14 अगस्त और 16-17 अगस्त के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ 14-16 अगस्त के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 14-20 अगस्त के दौरान छत्तीसगढ़ और पूर्वी मध्य प्रदेश में; 14-18 अगस्त के दौरान विदर्भ में काफी बड़े इलाके से लेकर पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है। □ 17-20 अगस्त के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में; और 19-20 अगस्त के दौरान विदर्भ में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 14-18 अगस्त के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 14-18 अगस्त के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 16-18 अगस्त के दौरान छत्तीसगढ़ और पूर्वी मध्य प्रदेश में; 14-17 अगस्त के दौरान विदर्भ में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 14-15 अगस्त के दौरान छत्तीसगढ़ और पूर्वी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 14-20 अगस्त के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, झारखंड और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 16-19 अगस्त के दौरान बिहार में; 14-15 अगस्त और 17-19 अगस्त के दौरान ओडिशा में काफी व्यापक से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 14-15 अगस्त और 20 अगस्त को बिहार में; 16 अगस्त और 20 अगस्त को ओडिशा में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 14-20 अगस्त के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; 14-15 अगस्त के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 14 अगस्त को झारखंड में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है। साथ ही, 14-17 अगस्त के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 16-17 अगस्त के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 15-18 अगस्त के दौरान झारखंड में; 14-20 अगस्त के दौरान बिहार में; 14-18 अगस्त के दौरान ओडिशा में तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 14-15 अगस्त और 18 अगस्त को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में 14-15 अगस्त के दौरान; झारखंड और ओडिशा में 15-18 अगस्त के

दौरान; बिहार में 14-19 अगस्त के दौरान बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 16-17 अगस्त को; और झारखंड व ओडिशा में 14 अगस्त को कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश भी हो सकती है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 14-20 अगस्त के दौरान; असम और मेघालय में 16-20 अगस्त के दौरान; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 14-17 अगस्त और 20 अगस्त को काफी बड़े इलाके में या व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है।
- ❖ असम और मेघालय में 14-15 अगस्त के दौरान; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 18-19 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 14-18 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 14-15 अगस्त और 19-20 अगस्त के दौरान; असम और मेघालय में 14-15 अगस्त और 17-20 अगस्त के दौरान; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 14-20 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, अरुणाचल प्रदेश में 16-18 अगस्त के दौरान और असम व मेघालय में 16 अगस्त को कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश भी हो सकती है।

पश्चिम भारत:

- ❖ कोंकण और गोवा में 14-20 अगस्त के दौरान; गुजरात क्षेत्र में 14-15 अगस्त के दौरान काफी व्यापक से व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और सौराष्ट्र व कच्छ में 14-20 अगस्त के दौरान; गुजरात क्षेत्र में 16-20 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ गुजरात क्षेत्र में 14-15 अगस्त के दौरान; सौराष्ट्र और कच्छ में 14 अगस्त को कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ कोंकण और गोवा में 14 अगस्त और 16 अगस्त को; मध्य महाराष्ट्र में 14-18 अगस्त के दौरान; गुजरात क्षेत्र में 14-15 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 14 से 20 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और तेलंगाना में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है; 17 से 18 अगस्त के दौरान केरल और माहे और लक्षद्वीप में भी ऐसी ही बारिश हो सकती है।
- ❖ 14 से 16 अगस्त और 19 से 20 अगस्त के दौरान केरल और माहे और लक्षद्वीप में काफी ज़्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है; 14 से 20 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक में भी ऐसी बारिश हो सकती है।
- ❖ 14 से 16 अगस्त के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 14 से 15 अगस्त के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; 14 से 18 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; 14 अगस्त को केरल और माहे और लक्षद्वीप में तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; 14 से 15 अगस्त के दौरान तेलंगाना में भी ऐसी स्थिति हो सकती है।
- ❖ 14 अगस्त और 19 से 20 अगस्त के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 14 अगस्त को केरल और माहे में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 14 अगस्त को केरल और माहे और लक्षद्वीप में; 14 से 15 अगस्त के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में; 14 से 18 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा में ज़मीन के पास तेज़ हवाएं चलने की संभावना है।

हवा की चेतावनी:

- ❖ अगले 12 घंटों के दौरान उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और बांग्लादेश, ओडिशा-पश्चिम बंगाल के तटों के पास 40-50 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है, जिनकी गति झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है; इसके बाद हवा की गति धीरे-धीरे कम हो जाएगी।
- ❖ अगले 12 घंटों के दौरान दक्षिण झारखंड और उससे सटे उत्तरी ओडिशा के अंदरूनी इलाकों और उत्तरी छत्तीसगढ़ में 35-45 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज़ हवाएँ चलने की संभावना है, जिनकी गति झोंकों के साथ 55 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है; इसके बाद हवा की गति कम हो जाएगी।

समुद्र की स्थिति:

- ❖ अगले 12 घंटों के दौरान उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और बांग्लादेश, पश्चिम बंगाल व ओडिशा के तटों के पास समुद्र की स्थिति बहुत खराब रहने की संभावना है; इसके बाद स्थिति धीरे-धीरे बेहतर हो जाएगी।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- ❖ मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 15 तारीख की सुबह तक उत्तर बंगाल की खाड़ी और बांग्लादेश, पश्चिम बंगाल व ओडिशा के तटों के पास न जाएँ।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

सबसे ज़्यादा बारिश (≥ 7 सेमी) (कल सुबह 08:30 IST से आज सुबह 08:30 IST तक अलग-अलग मौसम संबंधी उप-मंडल में):

- ❖ छत्तीसगढ़: बलरामपुर 18
- ❖ ओडिशा: लठकटा - 18
- ❖ बिहार: रघुनाथपुर - 16
- ❖ झारखंड: बर्मू डीवीसी- 14
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: भटपुरवाघाट (सीतापुर) 13
- ❖ तमिलनाडु: नागपट्टिनम ऑब्सी (जिला नागपट्टिनम) 12
- ❖ उत्तराखंड: लोहारखेत 11
- ❖ पूर्वी राजस्थान: चित्तौड़गढ़ 10
- ❖ असम: उदयपुर 10
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: स्लंगरौली 10
- ❖ गुजरात क्षेत्र: वलसाड (जिला वलसाड) 9
- ❖ हिमाचल प्रदेश: धर्मशाला 9
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: बिलारी (मुरादाबाद) 9
- ❖ गंगीय पश्चिम बंगाल: सागर द्वीप 9
- ❖ कोंकण: मुरबाड (ठाणे) 8

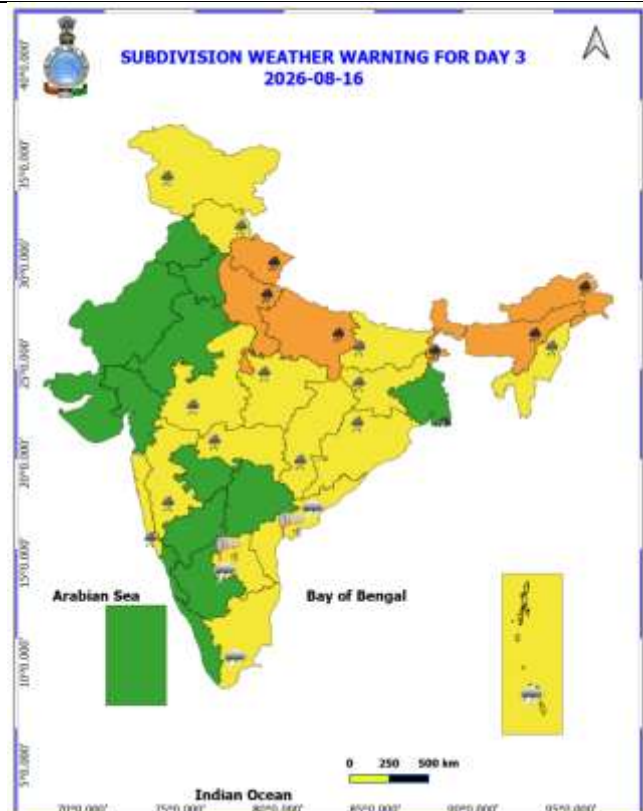
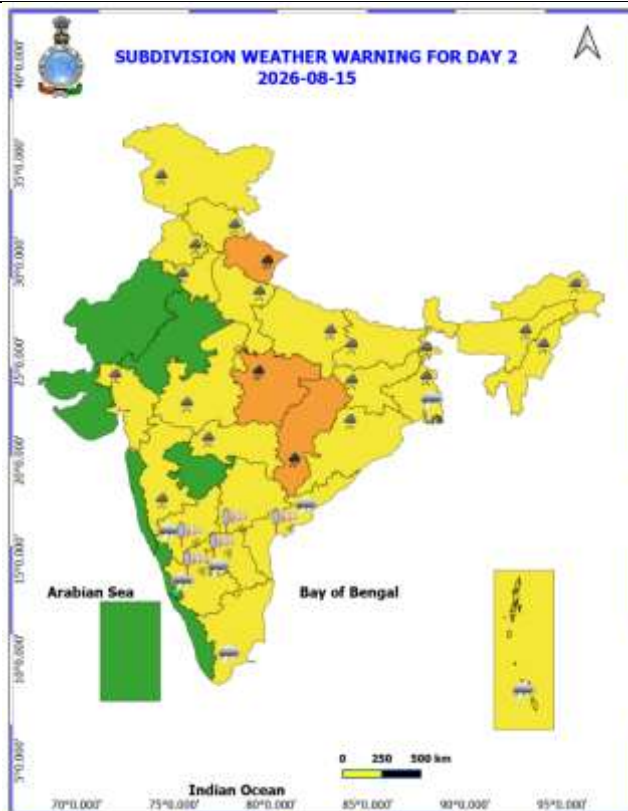
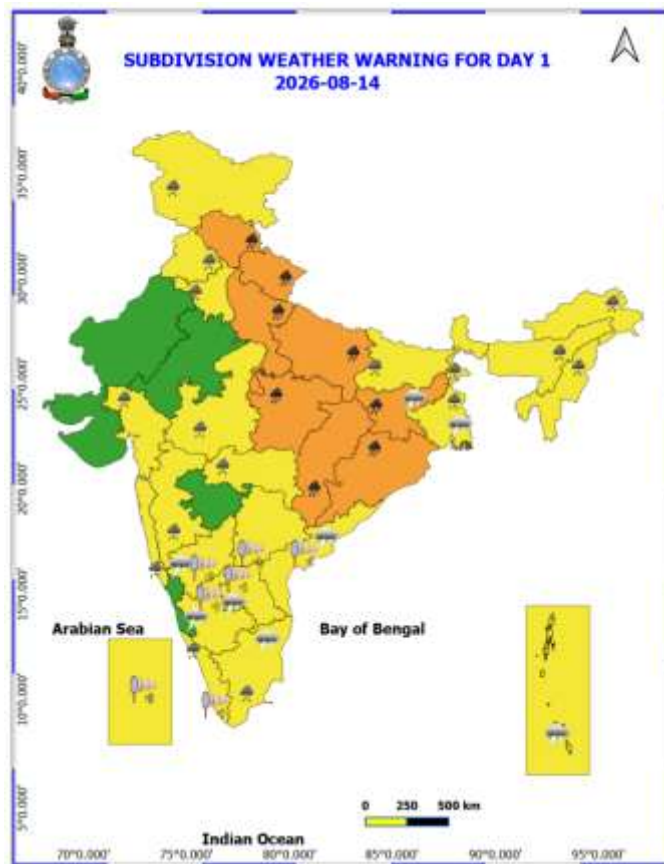
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: ऊदलाबारी 8
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: महाबलेश्वर (सतारा) 7।

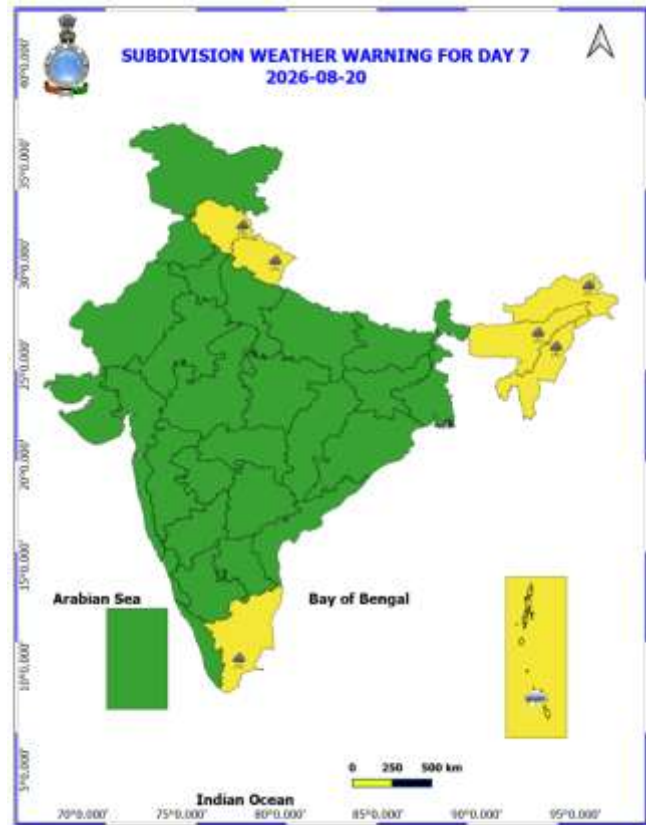
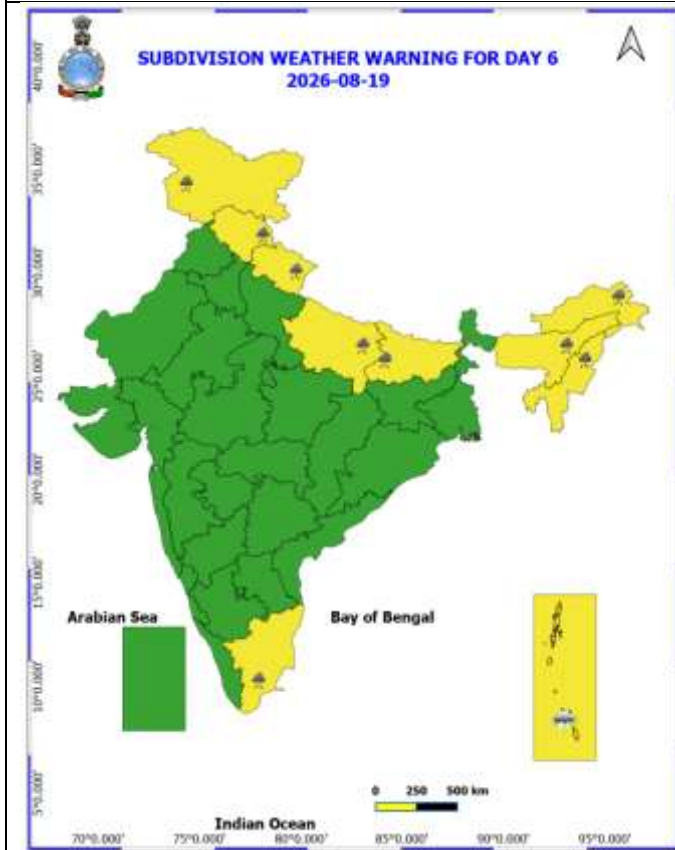
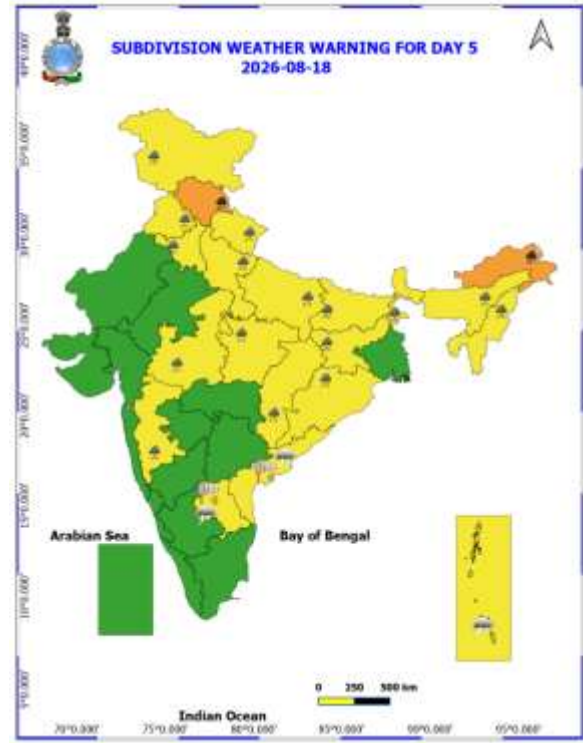
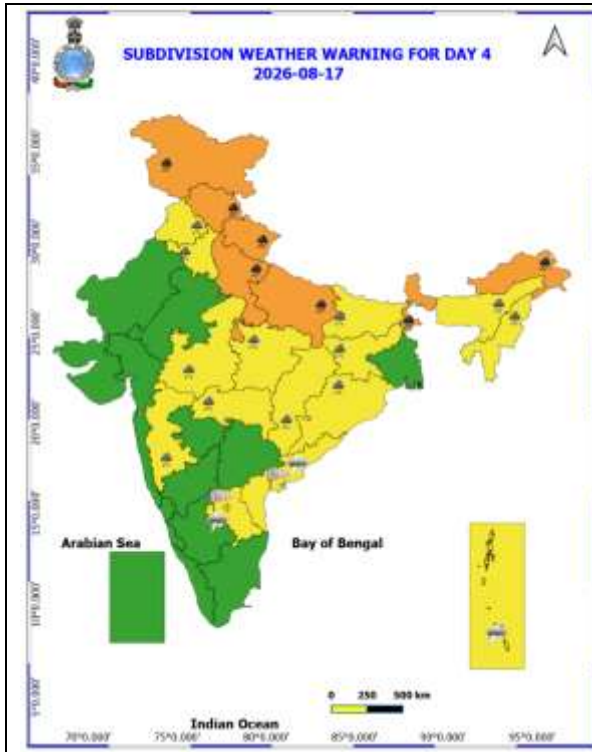
अनुलग्नक I

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	14- Aug	15- Aug	16- Aug	17- Aug	18- Aug	19- Aug	20- Aug
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	FWS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	WS	FWS	SCT	SCT	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	FWS	FWS	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT
8	JHARKHAND	WS	FWS	FWS	WS	WS	FWS	FWS
9	BIHAR	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	FWS	SCT	FWS	WS	WS	FWS	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL
12	UTTARAKHAND	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
14	PUNJAB	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
20	EAST MADHYA PRADESH	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	WS	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT
27	CHHATTISGARH	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।

अनुलग्नक II





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

14 अगस्त से 17 अगस्त 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 35-36°C और न्यूनतम तापमान 24-28°C के बीच रहा। न्यूनतम तापमान कुछ जगहों पर सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) या सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। अधिकतम तापमान कुछ जगहों पर सामान्य से अधिक (3.1°C से 5.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में कुछ जगहों पर हल्की और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश हुई। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहे और उत्तर-पूर्व दिशा से 20 किमी/घंटा की गति से हवा चली, जिसके झोंके 40 किमी/घंटा तक पहुंचे। आज सुबह के समय इस क्षेत्र में दक्षिण-पश्चिम दिशा से 20 किमी/घंटा तक की गति से हवा चलने और आमतौर पर बादल छाए रहने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

14.08.2026: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। दोपहर के समय कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश होने की संभावना है। शाम से रात के समय कई जगहों पर फिर से बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 33-35°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में कई जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास और कुछ जगहों पर सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। दोपहर के समय दक्षिण-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है और हवा की गति 15 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर दक्षिण-पश्चिम दिशा से 12 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

15.08.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह-सुबह (4-6 बजे) लगभग 5 mm हल्की बारिश होने की 70% संभावना है। सुबह 6-9 बजे के बीच लगभग 2-3 mm हल्की बारिश होने की 60% संभावना है। दोपहर से शाम के समय लगभग 3 mm हल्की बारिश होने की 60% संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 32°C से 34°C और न्यूनतम तापमान 24°C से 26°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान भी सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। ज़मीन के पास हवा मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है और सुबह के समय इसकी गति 15 kmph तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की गति कम होकर 12 kmph तक हो जाएगी और यह पश्चिम दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति बढ़कर 15 kmph तक हो जाएगी और यह दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी।

16.08.2026: आम तौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच एक या दो बार बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। शाम से रात के बीच भी बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33°C से 35°C और 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा, और अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 20 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 10 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति बढ़कर पश्चिम दिशा से 20 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

17.08.2026: आम तौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच एक-दो बार बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। शाम से रात के बीच भी बहुत हल्की से हल्की बारिश का एक और दौर हो सकता है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 33°C से 35°C और न्यूनतम तापमान 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.1°C) रहेगा, और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा।

ज़मीन के पास मुख्य रूप से पश्चिमी हवा चलने की संभावना है, जिसकी रफ़्तार सुबह के समय 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय ज़मीन के पास हवा की रफ़्तार कम होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से 12 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय ज़मीन के पास हवा की रफ़्तार बढ़कर दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

बहुत भारी बारिश के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 14 अगस्त को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

संभावित असर:

- ❖ पेड़ों की टहनियां टूट सकती हैं और केले, पपीते व सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- ❖ हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- ❖ छोटी नावें, ट्रॉलर और अन्य नौकाएं प्रभावित हो सकती हैं।
- ❖ भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- ❖ निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- ❖ बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकल आएँ और बिजली के सुचालक पदार्थों से दूर रहें।
- ❖ पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाए।
- ❖ तटीय और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाए।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाए।

भारी बारिश के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में, धान, मक्का, सोयाबीन और रागी (फिंगर मिलेट) के खेतों से लगातार पानी निकालते रहें और अतिरिक्त पानी हटा दें। प्रभावित फसलों से कीचड़ और मलबा हटा दें और सब्जियों के खेतों व बागों में जल निकासी की व्यवस्था बनाए रखें। जहाँ संभव हो, तैयार खीरे, लौकी और अन्य कद्दू-वर्गीय सब्जियों की कटाई करें और बेलों व केले के पौधों को मज़बूत सहारा दें ताकि वे गिरें नहीं।
- ❖ असम में, धान, गन्ना, सोयाबीन, अरहर, जूट, तिल और सब्जियों के खेतों व बागों में लगातार जल निकासी बनाए रखें और खेतों की नालियों को साफ रखें। निचले इलाकों के खेतों से तुरंत अतिरिक्त पानी निकालें और गन्ने के खेतों में पानी जमा न होने दें। धान की रोपाई तभी करें जब खेत की स्थिति अनुकूल हो और पानी भरे खेतों में तिल, मूंग और उड़द की बुवाई टाल दें।
- ❖ मेघालय में, धान की नर्सरी और मक्का, लोबिया, भिंडी व अदरक के खेतों में लगातार जल निकासी बनाए रखें और जल निकासी की नालियों में कोई रुकावट न आने दें। पानी के बहाव और पौधों के बह जाने से बचाने के लिए नर्सरी की मेड़ों

को मज़बूत करें और फसल की जड़ों के पास पानी जमा न होने दें। लोबिया को सहारा (स्टेकिंग या ट्रेलिसिंग) दें और अन्य कमज़ोर बागवानी फसलों को भी सहारा दें ताकि वे गिरें नहीं।

- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में, खड़ी फसलों वाले खेतों में उचित जल निकासी बनाए रखें और धान, सोयाबीन, उड़द, अदरक, हल्दी, गोभी-वर्गीय फसलों और सब्जियों के खेतों में पानी जमा न होने दें।
- ❖ पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, रोपाई की गई अमन धान, जूट, धान की नर्सरी और सब्जियों के खेतों में लगातार और प्रभावी जल निकासी बनाए रखें और निचले इलाकों से तुरंत अतिरिक्त पानी निकालें। जल निकासी की नालियों को साफ रखें और बाढ़ से बचाने के लिए धान की नर्सरी के चारों ओर मेड़ों को मज़बूत करें। खेत की स्थिति में सुधार होने तक उर्वरक और कीटनाशक का प्रयोग टाल दें। जहाँ खेत की स्थिति अनुकूल हो, वहाँ तैयार फसलों, चाय की पत्तियों और सब्जियों की कटाई करें और उपज को सुरक्षित, सूखी जगह पर रखें।
- ❖ ओडिशा में, खरीफ धान, मक्का, दालों, कपास, अरहर, केले, सब्जियों के खेतों और नर्सरी से अतिरिक्त पानी की लगातार और प्रभावी निकासी सुनिश्चित करें। खेतों की नालियों, आउटलेट और मेड़ों को साफ और चालू हालत में रखें। पानी भरे इलाकों में मक्का और मूंग की बुवाई/दोबारा बुवाई टाल दें और बाजरे के खेतों में पानी जमा न होने दें। सब्जियों की नर्सरी को पॉलीथीन शीट से सुरक्षित करें और सब्जियों को सहारा दें; केले, पपीते और बागवानी के युवा पौधों को भी सहारा दें। रोपाई किए गए धान के खेतों में आपातकालीन आउटलेट बनाए रखें ताकि पौधे लंबे समय तक पानी में डूबे न रहें।
- ❖ झारखंड में, खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने का सही इंतज़ाम करें और गीले मौसम में खाद और कीटनाशक न डालें।
- ❖ बिहार में, खेतों से बारिश का अतिरिक्त पानी निकालने का सही इंतज़ाम करें और खाद व कीटनाशक डालने का काम टाल दें।
- ❖ हिमाचल प्रदेश में, जहाँ भी संभव हो मटर की फलियों और सब्जियों (टमाटर, शिमला मिर्च, बैंगन आदि) की कटाई करें और कटी हुई उपज को सुरक्षित जगह पर रखें। धान, मक्का, रागी, टमाटर, बैंगन, शिमला मिर्च, मिर्च और खीरे के खेतों और सेब व नाशपाती के बागों में बारिश का अतिरिक्त पानी जल्दी निकालने के लिए सही जल निकासी की व्यवस्था बनाए रखें।
- ❖ उत्तराखंड में, धान, सोयाबीन, मक्का, अरहर, अदरक, लहसुन, झंगोरा, रागी, टमाटर और अन्य खड़ी फसलों के खेतों में सही और असरदार जल निकासी बनाए रखें। धान की रोपाई तभी करें जब खेत की स्थिति सही हो और मूंगफली, सोयाबीन व मक्के की बुवाई तब तक टाल दें जब तक मौसम अनुकूल न हो जाए। तैयार टमाटर, फ्रेंच बीन और आलू की कटाई करें और उपज को सुरक्षित, सूखी जगह पर रखें।
- ❖ हरियाणा में, खड़ी फसलों वाले खेतों में पानी जमा होने से रोकने के लिए सही जल निकासी सुनिश्चित करें और खेतों व बागों से बारिश का अतिरिक्त पानी तुरंत निकाल दें।
- ❖ पंजाब में, गन्ने के खेत में पानी जमा होने से बचाने के लिए सही जल निकासी की व्यवस्था रखें। भारी बारिश के बाद अगर मक्के के खेतों में पानी जमा हो जाए, तो पौधों को बैक्टीरियल स्टॉक रॉट (बैक्टीरिया से होने वाली तने की सड़न) से बचाने के लिए अतिरिक्त पानी निकाल दें।
- ❖ उत्तर प्रदेश में, अरहर, मक्का, मूंगफली, तिल, धान, सब्जी और अन्य खड़ी फसलों के खेतों से, खासकर पानी जमा होने की संभावना वाले निचले इलाकों से, बारिश का अतिरिक्त पानी निकालने के लिए सही जल निकासी बनाए रखें।
- ❖ मध्य महाराष्ट्र में, घाट वाले इलाकों में, धान, रागी और सब्जी के खेतों से बारिश का अतिरिक्त पानी निकाल दें। खेत की स्थिति अनुकूल होने तक खेती से जुड़े अन्य काम, खाद डालना और पौधों की सुरक्षा के उपाय टाल दें।
- ❖ कोंकण और गोवा में, पानी जमा होने से रोकने के लिए धान, रागी, हल्दी, मूंगफली, सब्जी के खेतों और बागों से बारिश का अतिरिक्त पानी निकाल दें।
- ❖ गुजरात में, धान, कपास, बाजरा, मूंगफली, तिल, मक्का, दालों, सोयाबीन और सब्जी के खेतों से बारिश का अतिरिक्त पानी तुरंत निकाल दें।
- ❖ मध्य प्रदेश में, पानी जमा होने से रोकने के लिए सोयाबीन, मक्का, अरहर, उड़द, मूंग, तिल, ज्वार और सब्जी के खेतों में सही जल निकासी बनाए रखें। जब तक खेत की स्थिति उपयुक्त न हो जाए, तब तक बुवाई, अंतर-सस्य क्रियाओं, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा के उपायों को टाल दें।
- ❖ छत्तीसगढ़ में, धान, सोयाबीन, मक्का, अरहर, उड़द, मूंग, छोटे अनाज (मिलेट्स) और सब्जियों के खेतों में, खासकर निचले इलाकों में, पानी की निकासी का लगातार और असरदार इंतज़ाम करें। खेत की मेड़ों और पानी की निकासी वाली नालियों को मज़बूत करें और जब तक खेत की हालत ठीक न हो जाए, तब तक खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें। धान की रोपाई और खरीफ फसलों की बुवाई तभी करें जब खेत की हालत ठीक हो; पानी भरे इलाकों में रोपाई न करें; और टमाटर, मिर्च, कद्दू-वर्गीय (cucurbit) और दूसरी सब्जियों की फसलों को सहारा (staking) दें।

- ❖ विदर्भ में, पहले से बोई गई सोयाबीन, कपास, अरहर, ज्वार, मक्का, धान और सब्जियों की नर्सरी और बागों से अतिरिक्त पानी निकाल दें।
- ❖ केरल में, पानी जमा होने से बचाने के लिए केले, नारियल, इलायची, अदरक, काली मिर्च के बागानों और हल्दी व सब्जियों के खेतों से बारिश का अतिरिक्त पानी निकाल दें। केले के पौधों और मचान (trellis) पर उगाई जाने वाली फसलों को मजबूत सहारा दें।
- ❖ तमिलनाडु में, पानी जमा होने से रोकने के लिए धान की नर्सरी और कपास के नए खेतों में पानी की निकासी का सही और असरदार इंतजाम करें। जहाँ खेत की हालत ठीक हो, वहाँ धान की रोपाई और मक्का व कद्दू-वर्गीय फसलों की बुवाई करें, और जहाँ धान तैयार हो, वहाँ कटाई करें। केले के पौधों और दूसरी कमजोर फसलों को गिरने से बचाने के लिए मजबूत सहारा दें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

- ❖ काटी गई उपज को सुरक्षित जगहों पर ले जाएं या उपज को खेतों में तिरपाल शीट से ढक दें। कटी हुई फसलों को मजबूती से बांधें और ढक दें ताकि तेज़ हवाओं से उनके हिलने का खतरा कम हो।
- ❖ बागवानी वाली फसलों को मैकेनिकल सपोर्ट दें और सब्जियों और छोटे फलों वाले पौधों / फल देने वाले पौधों को तेज़ हवाओं से गिरने से बचाने के लिए सहारा दें।

पशुधन / मुर्गी पालन / मछली पालन

- ❖ भारी बारिश के दौरान जानवरों को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित चारा दें।
- ❖ चारा और चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित जगह पर रखें।
- ❖ तालाबों के चारों ओर सही जाल लगाकर एक आउटलेट बनाएं ताकि ज्यादा पानी निकल जाए, जिससे ओवरफ्लो होने पर मछलियां बाहर न निकल सकें।

अचानक बाढ़ के बारे में जानकारी

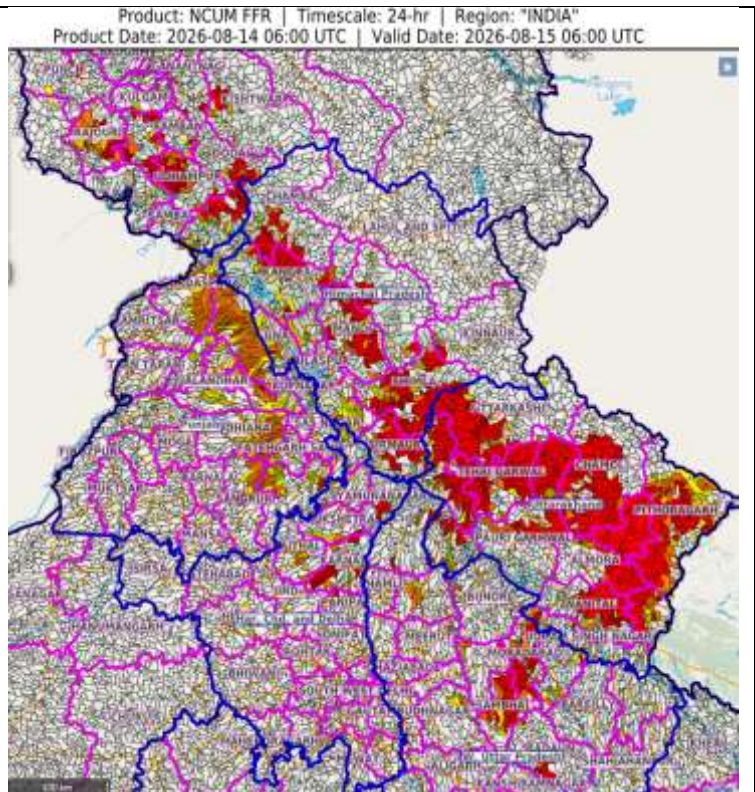
15-08-2026 को 1130 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (एफएफआर):

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलक्षेत्रों और पड़ोस में कम से मध्यम अचानक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

जम्मू और कश्मीर और लद्दाख: पुंछ, राजौरी, कुलगाम, रियासी, रामबन, जम्मू, डोडा, कठुआ, उधमपुर, किस्तवार और अनंतनाग जिले

हिमाचल प्रदेश: कांगड़ा, चंबा, हमीरपुर, ऊना, मंडी, कुल्लू, सोलन, सिरमौर, शिमला और किन्नौर जिले

उत्तराखंड: अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, चंपावत, देहरादून, गढ़वाल पौड़ी, गढ़वाल टेहरी, हरिद्वार, नैनीताल, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, उधम सिंह नगर और उत्तरकाशी जिले



पंजाब: होशियारपुर, गुरदासपुर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, एसबीएस नगर, संगरूर, पटियाला, फतेहगढ़ साहिब और रूपनगर जिले

हरियाणा - चंडीगढ़ और दिल्ली: कैथल, करनाल, कुरुक्षेत्र, यमुनानगर और पानीपत जिले

पश्चिमी उत्तर प्रदेश: सहारनपुर, मुज़फ्फरनगर, मोरादाबाद, अमरोहा, रामपुर, संभल, बदायूँ, बुलन्दशहर और कासगंज जिले

जैसा कि मानचित्र में दिखाया गया है, अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण चिंता क्षेत्र (एओसी) पर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/बाढ़ हो सकती है।

15-08-2026 को 1130 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (एफएफआर):

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलक्षेत्रों और पड़ोस में कम से मध्यम अचानक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

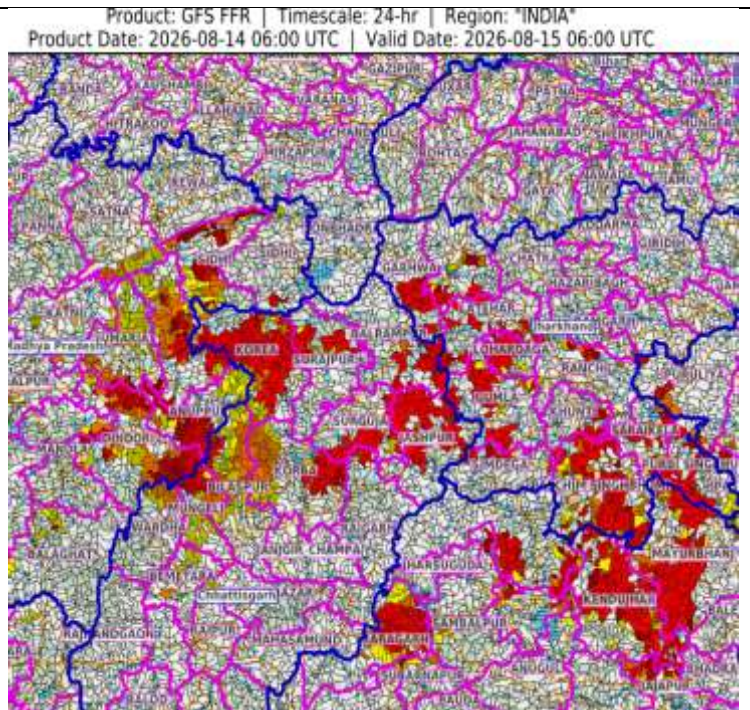
छत्तीसगढ़: कोरिया, सूरजपुर, सरगुजा, जशपुर, बलरामपुर, बिलासपुर, मुंगेली, कोरबा और बेमेतरा जिले

पूर्वी मध्य प्रदेश: सीधी, शहडोल, उमरिया, सतना, डिंडोरी, अनुपपुर, बालाघाट और कटनी जिले

ओडिशा: बरगढ़, सोनेपुर, संबलपुर, सुंदरगढ़, देवगढ़, अंगुल, क्यौंझरगढ़, मयूरभंज और जाजपुर जिले

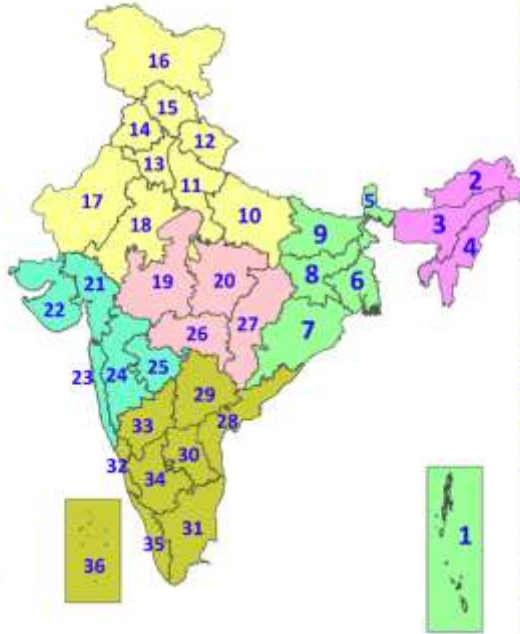
झारखंड: पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, खूंटी, रांची, लोहरदगा, सिमडेगा, गुमला, लातेहार, पलामू और गढ़वा जिले

जैसा कि मानचित्र में दिखाया गया है, अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण चिंता क्षेत्र (एओसी) पर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/बाढ़ हो सकती है।



LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Rain



Very Heavy Rain



Extremely Heavy Rain



Thunder & Lightning



Hailstorm



Dust Raising Winds



Heavy Snow



Dust Storm



Heat Wave



Warm Night



Hot Day



Hot & Humid



Strong Surface Winds



Cold Wave



Cold Day



Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".

Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.

For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599

(Service to the Nation since 1875)

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *	Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm * Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm * Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *
Heat Wave	When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions (a) Based on Departure from normal Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C . Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$ (b). Based on Actual maximum temperature Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$. Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$ (c). Criteria for heat wave for coastal stations When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$
Warm Night	When maximum temperature remains 40°C Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C . Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.
Cold Wave	When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions. (a). Based on departure Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C . Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$ (b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only) Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$ Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$ (c) For Coastal Stations When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$
Cold Day	When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions Based on departure Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C . Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$
Fog	Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$ Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres
Thunderstorm	Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)
Dust/Sand Storm	An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.
Frost	Ice deposits on ground Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)
Squall	A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute. Moderate: Wind speed 52-61 kmph Severe: Wind speed 62-87 kmph Very Severe: Wind speed > 87 kmph
Sea State	Effect of various waves in the sea over specific area Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre
Cyclone	Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots) Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots) Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots) Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots) Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)